सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 244 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

हम लोग इंसान हैं कोई कंप्यूटर नहीं, जीवन का मजा लीजिए। इसे हमेशा गंभीर मत बनाइए।
– रतन टाटा

भारत ने बांग्लादेश से जीती टी... 7 | चुनाव परिणाम के बाद बदलेगी... 3 | भाजपा सरकार में अपराध का... 2

सत्ता की आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछना ही पत्रकारिता : संजय शर्मा

द कॉन्क्लेव 2024 में मीडिया की लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में भूमिका पर बोले 4 पीएम के संपादक

- » 4पीएम के संपादक बोले- आज गोदी मीडिया सत्ता के सामने नतमस्तक, निगाहें वैकल्पिक मीडिया की तरफ
- » योगेन्द्र यादव समेत कई दिग्गजों ने साझा किए अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता को अपने तीखे रिपोर्टिंग से असहज करने वाले 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने कहा है कि सत्ता की आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछने को ही पत्रकारिता कहते हैं जो इस दौर में ख़त्म हो गया है। दिल्ली में आयोजित पूर्वोतर राज्य के एक बड़े मीडिया समूह प्रतिदिन के कॉन्क्लेव में बोलते हुए, उन्होंने कहा ये वो समय है जब गोदी मीडिया सत्ता के सामने नतमस्तक हो गया है ऐसे में लोगों की निगाहें वैकल्पिक मीडिया की तरफ़ लगी है।

यही कारण है कि लगभग दस महीने से 4पीएम यूट्यूब चैनल राजनैतिक टिप्पणीकारों में देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। द कॉन्क्लेव 2024 के दूसरे दिन आयोजित एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा में, मौजूदा ध्रुवीकृत माहौल में मीडिया के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों और इसकी जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। यह सत्र प्रतीदिन मीडिया नेटवर्क द्वारा आयोजित किया गया और इसकी मेजबानी नंदिनी मैगज़ीन की संपादक मैनी महंता ने की। पैनल में राजनीतिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव, शिलॉन्ग टाइम्स की संपादक पेट्रीसिया मुखीम, 4पीएम न्यूज के प्रधान संपादक संजय शर्मा, और ईस्ट मोजो के प्रधान संपादक कर्मा पालजोर ने भाग लिया। चर्चा का विषय पत्रकारिता का भविष्य और इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में बनाए रखने पर केंद्रित था। पैनल ने वैकल्पिक मीडिया प्लेटफार्मों के उदय को स्वीकार किया, जहां ध्रुव राठी और रवीश कुमार जैसी स्वतंत्र आवाजों के प्रभाव को पहचाना गया। हालांकि, यादव ने कहा कि व्यापक मीडिया सुधार आवश्यक हैं ताकि जनता का विश्वास बहाल किया जा सके।

संपादक संजय शर्मा ने व्यक्तिगत चुनौतियों को किया साझा

संजय शर्मा ने 4पीएम न्यूज़ के प्रधान संपादक के रूप में अपनी व्यक्तिगत चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी स्वतंत्र रिपोर्टिंग के कारण उन्हें सरकारी दबाव का सामना करना पड़ा। शर्मा ने मीडिया में बढ़ते सांप्रदायिक और कॉर्पोरेट विभाजन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि पिछले 35 वर्षों में मैंने कभी मीडिया में ऐसा सांप्रदायिक विभाजन नहीं देखा। उन्होंने यह भी कहा कि महत्वपूर्ण खबरें अक्सर सनसनीखेज रिपोर्टिंग के नीचे दब जाती हैं, जिसे ब्रेकिंग न्यूज़ की होड़ के कारण चलाया जाता है।

लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में पुनः स्थापित करने पर चर्चा

अंत में, पैनल ने सर्वसम्मति से माना कि मीडिया एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और इसे लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। चर्चा में मीडिया की पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के प्रति नई प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया, ताकि प्रेस की अखंडता को सुरक्षित रखा जा सके।

मीडिया जानबूझकर संघर्ष को बढ़ावा देता है : योगेन्द्र यादव

योगेंद्र यादव ने चर्चा की शुरुआत मीडिया की मौजूदा दिशा की तीखी आलोचना के साथ की। उन्होंने ब्रेकिंग न्यूज़ से ब्रेकिंग हेड्स (विभाजनकारी समाचार) की ओर मीडिया के रुझान पर चिंता व्यक्त की। यादव ने कहा, मीडिया जानता है कि वह क्या कर रहा है, लेकिन जानबूझकर संघर्ष को बढ़ावा देता है। उन्होंने भगत सिंह की मीडिया आलोचना का जिक्र करते हुए कहा कि आज की पत्रकारिता राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा कर रही है, खासकर 2014 के बाद से। यादव ने मीडिया पर बढ़ते कॉर्पोरेट प्रभाव को उजागर किया, असम के दीमा हासाओ जिले में 9,000 बीघा जमीन की बिक्री का उदाहरण दिया, जिसे प्रमुख समाचार चैनलों ने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने राजनीतिक और कॉर्पोरेट हितों के बीच संबंध को दोषी ठहराते हुए कहा, आज का मीडिया अक्सर निजी हितों को सार्वजनिक जवाबदेही पर प्राथमिकता देता है।

पूर्वोत्तर राष्ट्रीय मीडिया में हाशिए पर है : पेट्रीसिया मुखीम

पेट्रीसिया मुखीम ने पूर्वोत्तर के राष्ट्रीय मीडिया में हाशिए पर होने की बात कही। उन्होंने कहा, उनके लिए, हम बस एक विस्तार हैं, और क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज करने की आलोचना की। मुखीम ने डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इसमें जानकारी की उचित तथ्य-जांच की कमी है। उन्होंने ग्रामीण आवाजों को सही मायनों में प्रतिनिधित्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मीडिया के पेशे ने अपना उद्देश्य खो दिया : पालजोर

कर्मा पालजोर ने मीडिया की गिरावट पर कड़ा आकलन किया। उन्होंने कहा मीडिया लगभग सभी जगहों पर मर चुका है और इस पेशे ने अपना उद्देश्य खो दिया है। पालजोर ने पत्रकारों की भव्य जीवनशैली की आलोचना की, यह कहते हुए कि इससे पत्रकारिता की गंभीर समस्याओं पर ध्यान देने की विश्वसनीयता कम हो जाती है।

यूपी में बढ़ रहे क्राइम पर भड़के सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कहा-

भाजपा सरकार में अपराध का अमृतकाल चल रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में हाल ही में तेजी से बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने भाजपा सरकार को अपराध का अमृतकाल बताया है। हाल ही में कई मामले आए जिनमें गोली मारकर हत्या की गई। अखिलेश ने तीन घटनाओं का जिक्र करते हुए नाराजगी जाहिर की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। अखिलेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा उप्र की खबर अपराध से भरी है।

जौनपुर में एक युवक की अपहरण के बाद हत्या, लखनऊ में एक युवती का अपहरण, सुल्तानपुर में पुलिसवाले को गोली मारी और जब कोई गुहार-पुकार के लिए लखनऊ पहुँचा तो सुनवाई न होने से हताश होकर उसे विधानसभा के सामने आत्मदाह करना पड़ा। भाजपा सरकार 'अपराध के अमृतकाल' के लिए जानी जाएगी। इससे पहले भी अखिलेश यादव ने एक बार अपराधों को लेकर भाजपा सरकार पर नाराजगी जताई थी। सपा प्रमुख ने कहा था कि प्रदेश में हर सप्ताह अपराध को सैकड़ों घटनाएं हो रही हैं। भाजपा सरकार में असली अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती है।

सत्ता पक्ष के विधायक भी सुरक्षित नहीं : शिवपाल

लखीमपुर सदर के विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मारने की घटना को लेकर समाजवादी पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने तंज कसा है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो को पोस्ट करते हुए एक्स पर लिखा कि प्रदेश की स्थिति अति गंभीर है। सत्ता पक्ष के विधायक भी सुरक्षित नहीं हैं। पूर्व मंत्री ने एक अन्य पोस्ट का हवाला देते हुए कहा कि सरकार चुनाव में भी अपने हिसाब से खेल खेलती है। ऐसे में निष्पक्षता की उम्मीद करना बेकार है। इस सरकार में निष्पक्ष चुनाव छोड़िये, निष्पक्ष पर्चा भरना भी संभव नहीं है।

महिलाओं के साथ दुष्कर्म और सामूहिक दुराचार की घटनाएं बढ़ीं

महिलाओं के साथ दुष्कर्म और सामूहिक दुराचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। भाजपा सरकार कानून व्यवस्था सुधारने और महिला अपराध रोकने के बजाय राजनीतिक विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने और बदनाम करने का षडयंत्र रचती हैं। जब सरकार लोगों को न्याय देने के बजाय पुलिस का इस्तेमाल कर लोगों के साथ अन्याय और साजिश करेगी तो कानून व्यवस्था कैसे सुधरेगी।

यूपी में सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा : सपा प्रमुख

इटावा। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की छह सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसके बाद से कहा जा रहा था कि कांग्रेस जिन सीटों को अपने लिए मांग रही थी, उन सीटों पर भी सपा ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, इसलिए अब कहना मुश्किल होगा कि यूपी में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन रहेगा या नहीं. हालांकि अब इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने क्लीयर कर दिया है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश यादव ने सैफई में अपने पिता और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि उपचुनाव के बारे में आज बहुत कुछ नहीं बोलना है। उन्होंने सपा-कांग्रेस गठबंधन के बारे में स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रदेश में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन जारी रहेगा। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को मैनपुरी की करहल, प्रयागराज की फूलपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां, अयोध्या की मिल्कीपुर और कानपुर की सीसामऊ सीट पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। अखिलेश ने करहल से तेज प्रताप यादव, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद, मझवां से पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी ज्योति बिंद, कटेहरी से लालजी वर्मा की पत्नी शोभावती वर्मा और सीसामऊ से इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को उतारा है। ऐसा कहा जा रहा था कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने बेटे शांतनु राय के लिए मझवां सीट की मांग कर रहे थे, जबकि प्रयागराज से जुड़ी फूलपुर सदर की सीट पर कांग्रेस पार्टी बहुत मजबूती से अपनी दावेदारी पेश कर रही थी। इन दोनों ही सीटों पर अखिलेश यादव ने अपने पहली लिस्ट में कांग्रेस के लिए दरवाजे बंद कर दिए। इसलिए अब दोनों दलों के बीच गठबंधन पर सवाल उठने लगे थे।

कांग्रेस और भाजपा की सरकारें संविधानवादी नहीं : मायावती

» बोलीं- वे दोनों बहुजन समाज के आत्म सम्मान में बाधक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के संस्थापक कांशीराम के 18 वें परिनिर्वाण दिवस पर पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भाजपा, कांग्रेस और सपा को बहुजन समाज के आत्म सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन की राह में बाधक बताते हुए बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बसपा ही उनकी 'सच्ची मंजिल' है जो उन्हें 'शासक वर्ग' का हिस्सा बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

मायावती ने कहा कि देश में करोड़ों लोगों के गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष, अन्याय-अत्याचार, तंग और लाचार जीवन जीने को मजबूर होने से यह साबित है कि सत्ता पर अधिकतर समय काबिज रहने वाली कांग्रेस और भाजपा आदि की सरकारें न तो सही से संविधानवादी रही हैं और न ही उस नाते सच्ची देशभक्त हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक के बाद एक तीन ट्वीट में मायावती ने लिखा कि बामसेफ, डीएस4 व बसपा के जन्मदाता एवं संस्थापक बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम को आज उनके परिनिर्वाण दिवस

पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित तथा उत्तर प्रदेश एवं देश भर में उन्हें विभिन्न रूपों में श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले पार्टी के सभी लोगों व अनुयाइयों का तहेदिल से आभार।

विरोधी पार्टियों पर निशाना साधते हुए मायावती ने आगे लिखा- 'गांधीवादी कांग्रेस व आरएसएसवादी (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) भाजपा व सपा आदि उनकी (बहुजन समाज) हितैषी नहीं बल्कि उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन की राह में बाधा हैं, जबकि अम्बेडकरवादी बसपा उनकी सही-सच्ची मंजिल है, जो उन्हें मांगने वालों से देने वाला शासक वर्ग बनाने के लिए संघर्षरत है। यही आज के दिन का संदेश है।'

सपा ने उपचुनाव में उतारे परिजन-रिश्तेदार : चौधरी

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। खैर उपचुनाव को लेकर 9 अक्टूबर को भाजपा ने पिसावा में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन आयोजित किया। इसमें पहुंचे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि विधानसभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने अभी छह सीटें घोषित की हैं। इनमें से पांच सीटों पर अपने परिजन और नेताओं के रिश्तेदारों को ही टिकट दिया है। सपा और कांग्रेस में सबको पता है कि कल दोनों ही परिवार (गांधी व मुलायम) का कोई वारिस ही उन पार्टियों का मुखिया होगा।

भाजपा में किसी को नहीं पता कि कल कौन प्रदेश या राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। भाजपा में कोई नहीं जानता कि कल कौन प्रदेश अथवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। भाजपा आम कार्यकर्ता को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस के नेगेटिव एजेंडे से सावधान रहें हमारी सरकार पिछड़ों का हर क्षेत्र में आरक्षण देने का कार्य कर रही है।

सांसद सतीश गौतम ने पिसावा व टप्पल क्षेत्र के जाट बाहुल्य होने के बाद भी अपनी जीत होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। हाथरस सांसद अनूप प्रधान ने खैर में जब तक कोई विधायक नहीं चुना जाता है तब तक क्षेत्रीय लोगों की समस्याओं का समाधान व सहयोग करने का आश्वासन दिया। जनता के आशीर्वाद से देश व राज्यों में भाजपा की सरकारें पुनः बन रही हैं। यह प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गौरव की बात है। उमेश कुमारी,सत्या सिंह,सुनील पाण्डेय, रामसखी कठेरिया,चंडौस ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ठा. रेशमपाल सिंह,पिसावा चेयरमैन अनीता शर्मा, चंडौस चेयरमैन डॉ. डीएस भारती, राजबाबू शर्मा, ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर मौजूद रहे।

हरियाणा में राहुल की खटाखट नीति हुई फेल : ब्रजेश पाठक

प्रयागराज। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने लोकसभा चुनाव में संविधान के खतरे में होने का भय और सबके खाते में खटाखट पैसा डालने का सपना दिखाकर वोट हासिल किया था। हरियाणा की जनता अबकी गुमराह नहीं हुई। इससे उनकी खटाखट की नीति फेल हो गई। यह बातें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। सर्किट हाउस में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जनता को केवल गुमराह कर रहे थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कभी जलेबी तो कभी मक्खन लेकर आए।

सीएम बनने को लेकर मची खींचतान से कांग्रेस का नुकसान : अजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करने के बाद उसके नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने बुधवार को कहा कि पार्टी को दक्षिणी हरियाणा क्षेत्र में अपनी विफलता का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा कि जब चुनाव होते हैं तो जीतना ही सबसे बड़ा लक्ष्य होता है और उस वक्त अगर सीएम पद की खींचतान मीडिया में आती है तो ये पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पहले जनादेश लीजिए और जनादेश के बाद आप दावा कीजिए कि सीएम कौन बनेगा और ये कोई अकेले तय नहीं कर सकता, ये विधायक तय करते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि कई मुद्दे हैं। मसला ईवीएम का भी है, हमने देखा कि कई जगहों पर 12 घंटे तक चलने के बाद भी जब मशीन को गिनती के लिए वापस लाया गया तो उसकी बैटरी 99 फीसदी थी। दूसरे, मम्मन खान (कांग्रेस विधायक) द्वारा दिया गया बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज तक हमारे पास जिला अध्यक्ष या ब्लॉक अध्यक्ष नहीं है। इसलिए यह आत्मनिरीक्षण का विषय है कि हमें यह देखना चाहिए कि हम पार्टी संगठन को कैसे मजबूत कर सकते हैं, हमारी सबसे बड़ी कमजोरी यह थी कि हमारे पास संगठन नहीं था।

चुनाव परिणाम के बाद बदलेगी सियासी रणनीति!

इंडिया व एनडीए गठबंधन रिजल्ट का करेगी समीक्षा

» सहयोगियों ने कांग्रेस पर किया हमला
» भाजपा का जोश बढ़ा आगामी चुनावों के लिए कसी कमर
» राहुल-खरगे बोले- समीक्षा करके फिर करेंगे वापसी
» सोशल इंजीनियरिंग और हिंदुत्व राजनीति को मिली धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव नतीजे आ चुके हैं। एक राज्य में एनडीए तो दूसरी में इंडिया गठबंधन ने बाजी मारी। किसान प्रदेश हरियाणा में जहां भाजपा ने तीसरी बार सत्ता पर कब्जा जमाया तो घाटी में नेशनल कॉफ्रेंस ने दस साल बाद हो रहे चुनाव में भाजपा को मात देकर राज्य में सरकार बनाने का दाव मजबूत कर दिया। अब इन परिणामों के बाद विश्लेषकों ने अपनी-अपनी राय देनी शुरू कर दी है। वहीं कांग्रेस व उसके सहयोगियों के बीच चुनावों परिणाम के आने के बाद सिरफुटौव्वल हो गया है।

उधर इन परिणामों से भाजपा उत्साहित हो गई है। वह अब आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति पर काम करने लगी है। दरअसल, हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे ने महाराष्ट्र भाजपा के निराश-हताश भाजपा कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान की है। इससे उनका जोश हाई हो गया है। लेकिन कांग्रेस नहीं मानती कि इसका महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोई असर होगा। वहीं, राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि हरियाणा के नतीजे ने लोकसभा चुनाव में हार की हताशा से जूझ रहे प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा दिया है। बता दें कि महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। सीट शेयरिंग को लेकर महाविकास अघाड़ी में बैठकों का दौर जारी है। लोकसभा चुनाव प्रदर्शन की बात करें तो कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में 17 सीटों में से 13 पर जीत दर्ज की थी। इसी तरह शरद पवार की एनसीपी ने 10 में से 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। शिवसेना यूबीटी ने लोकसभा चुनाव में 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे सिर्फ 9 सीटों पर जीत मिली थी।

आरक्षण और संविधान पर खतरे को लेकर विपक्ष की बनाई धारणा के कारण लोकसभा चुनाव में पहुंचे नुकसान के बाद जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के नतीजे भाजपा के लिए संजीवनी से कम नहीं हैं। हरियाणा में जीत की हैट्रिक और जम्मू-कश्मीर में पहले के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन से न सिर्फ पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि अगले कुछ महीनों में महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव के अलावा यूपी में अहम माने जाने वाले दस विधानसभा सीटों के उपचुनाव पर भी इसका असर पड़ना तय है। ये नतीजे लोकसभा चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं में उपजी निराशा को दूर कर ब्रांड मोदी को फिर से चमकाने में मददगार माने जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में भाजपा के हाथ सत्ता की चाबी भले ही न लगी हो, लेकिन यह साफ हो गया कि देश में हिंदुत्व और राष्ट्रवादी राजनीति की धार कुंद नहीं पड़ी है। अनुच्छेद 370 व 35ए के खात्मे के बाद भी भाजपा जम्मू संभाग में फिर अजेय रही है। जाहिर है, भविष्य में कश्मीर घाटी की राजनीति के करवट लेने पर पार्टी वहां चमत्कार करने की स्थिति में रहेगी। यही नहीं, भारी मतदान के साथ मोदी सरकार दुनिया को बड़ा संदेश देने में भी सफल रही है। भाजपा को असली राहत हरियाणा के नतीजों ने दी, क्योंकि जिस राज्य में लोकसभा चुनाव में पार्टी ने आधी सीटें गंवा दी थीं, वहां उसे अपने दम पर दूसरी बार बहुमत मिला है। यह लोकसभा चुनाव में छिटके ओबीसी व दलित वर्ग का विश्वास फिर हासिल करने से संभव हुआ। पार्टी गैरजाट बिरादरियों को साधने में भी सफल रही। चुनाव की कमान परोक्ष रूप से संघ ने संभाली थी। दोनों राज्यों में संघ ने निराश कार्यकर्ताओं को घर से निकालने, चुनावी प्रबंधन, टिकट वितरण और रणनीति में हस्तक्षेप किया। इससे कोर मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने में सफलता मिली। संघ से खटास की खबरों के बीच ये नतीजे दोनों को करीब लाएंगे। हरियाणा की बात करें तो भाजपा ने लोकसभा चुनाव नतीजों को पीछे छोड़ते हुए दलित बहुल इलाकों में मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। बीते चुनाव में 17 में से महज पांच सुरक्षित सीट जीतने वाली भाजपा इस बार आठ सीटों पर जीती। पार्टी ने ओबीसी, वैश्य, ब्राह्मण और पंजाबी समुदाय प्रभावी सीटों पर भी लोकसभा चुनाव के मुकाबले प्रदर्शन में सुधार किया है। बीते चुनाव के मुकाबले पार्टी के मतप्रतिशत में बढ़ोतरी भी उसके लिए सुखद संदेश है।

हार की समीक्षा होगी, जम्मू कश्मीर में जीत का सेहरा कार्यकर्ताओं को : खरगे

हरियाणा की हार पर मंथन करने और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में मिली गठबंधन की विजय पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने जम्मू कश्मीर के लोगों को कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को सेवा का मौका देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। खरगे ने इस जीत के लिए नेशनल कॉफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं गठबंधन सरकार के मुखिया उमर अब्दुल्ला को भी इस शानदार जीत पर बधाई प्रेषित की। सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त करते हुए खरगे ने इस जीत के लिए कांग्रेस संगठन का भी आभार व्यक्त किया। खरगे ने कहा यह जनमत जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भाजपा के जनविरोधी नीतियों, जनता के अधिकारों का हनन और उत्पीड़न तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध दिया है। गठबंधन सरकार जनता की आकांक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेगी। आपकी खुशहाली और संवैधानिक हकों की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन पूरी तरह संकल्पित है। हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है। पार्टी इस जनमत का आकलन कर रही है। हमारे ज़मीनी कार्यकर्ताओं से बात कर, पूरी जानकारी हासिल करने और तथ्यों को परखने के बाद पार्टी की तरफ़ से विस्तृत प्रतिक्रिया व्यक्त की जाएगी। हम हरियाणा के लोगों को कांग्रेस पार्टी को वोट देने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं को निराश होने की ज़रूरत नहीं है। तानाशाही से हमारी लड़ाई लंबी है।

गठबंधन को मजबूत करना सबकी जिम्मेदारी : जयराम

प्रियंका चतुर्वेदी के इस बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नाराजगी जाहिर की है। जयराम रमेश से जब प्रियंका चतुर्वेदी के बयान से संबंधित सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में मैं याद दिलाना चाहता हूं कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पहले नंबर पर थी। गठबंधन धर्म यह है कि हम अपने बीच मुद्दों पर चर्चा करें न कि मीडिया के माध्यम से हम महाराष्ट्र में गठबंधन में हैं और गठबंधन को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है। हम अपने सहयोगियों के बारे में कुछ नहीं कहेंगे।

कांग्रेस को रणनीति में सुधार करना चाहिए : प्रियंका

हरियाणा में बीजेपी की शानदार जीत का असर अब महाराष्ट्र की सियासत पर भी देखने को मिल रहा है। महाविकास अघाड़ी दल का हिस्सा शिवसेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी की रणनीति की तारीफ की। शिवसेना सांसद के इस बयान पर अब कांग्रेस ने नाराजगी जाहिर की है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, कि इतनी एंटी इन्कम्बेन्सी के बावजूद अगर भाजपा सरकार बना रही है तो मैं उसको बधाई देना चाहूंगी। उन्होंने अपना कैम्पेन अच्छा चलाया, हरियाणा की जनता का विश्वास जीतने में कामयाब रहे, लोगों में बीजेपी के प्रति नाराजगी भी थी, लेकिन उन्होंने वोट भी उसे ही दिए, कहीं न कहीं कांग्रेस पार्टी को भी अपनी रणनीति देखनी पड़ेगी, जब भाजपा के साथ सीधी लड़ाई होती है तो कांग्रेस कमजोर पड़ जाती है। कांग्रेस को इस पर चिंतन मनन करके अपनी रणनीति में सुधार करना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा : डी राजा

सीपीआई महासचिव डी राजा चाहते हैं कि कांग्रेस हरियाणा में चुनाव नतीजों पर गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करे और महाराष्ट्र तथा झारखंड में आगामी चुनावों में सभी भारतीय ब्लॉक सहयोगियों को साथ लेकर चले। हरियाणा चुनाव नतीजों को लेकर राजा ने सुझाव दिया कि सीट बंटवारे पर आगे न बढ़ने का कांग्रेस का फैसला उसके खिलाफ गया। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पार्टी को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा। उसे अपनी रणनीति और कार्यनीति का आत्म-आलोचनात्मक मूल्यांकन करना होगा। राजा ने कहा कि इंडिया ब्लॉक पार्टियों को एक-दूसरे पर आपसी विश्वास के साथ काम करना चाहिए और सीट बंटवारे के समय आपसी सामंजस्य बिठाना चाहिए। कांग्रेस ने हरियाणा में ऐसा दृष्टिकोण नहीं अपनाया गया। कांग्रेस महाराष्ट्र में सीट बंटवारे के लिए शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी के साथ बातचीत कर रही है।

महाराष्ट्र में हरियाणा जैसे परिणाम आएंगे : फणनवीस

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हरियाणा में जो नतीजे आए हैं, वही स्थिति नवंबर माह में महाराष्ट्र में भी देखने को मिलेगा। फडणवीस ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। पार्टी केवल 9 लोकसभा सीटों पर ही चुनाव जीतने में कामयाब रही, लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली जीत नेताओं और कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित होगी। फडणवीस ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताया है। हमे किसी में हराने की ताकत नहीं थी, हमें चौथे पक्ष के फेक नैरेटिव ने हराया। उन्होंने कहा कि हम फेक नैरेटिव का उत्तर ठेक नेरेटिव से देंगे। वहीं, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को दावा किया कि

हरियाणा की ऐतिहासिक विजय की पुनरावृत्ति महाराष्ट्र में भी होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में झूठा प्रचार करने वाली कांग्रेस इस चुनाव में बेनकाब हो गई है। दूसरी ओर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता व महाराष्ट्र भाजपा प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजों का महाराष्ट्र में कोई असर नहीं होगा और पार्टी कार्यकर्ता उत्तरी राज्य के चुनाव परिणामों से हतोत्साहित नहीं हैं। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) एकजुट होकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार को हराएगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में राजनीतिक परिस्थितियां पूरी तरह से अलग हैं। महाराष्ट्र में लोग बदलाव के लिए और नयी सरकार लाने के लिए तैयार हैं। हम जल्द ही अपना घोषणापत्र जारी करेंगे। हमारा मनोबल ऊंचा है। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस राज्य में विपक्षी महा विकास आघाड़ी का घटक दल है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अब रूकना चाहिए पत्रकारों के अधिकारों का हनन!

"सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं।

लोकतांत्रिक देशों में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। भारत के लिए यह और भी जरूरी है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है।

असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। निश्चित ही इस निर्णय के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि पत्रकारों को आगे से ऐसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ा बजट उबारेगा कृषि को संकट से

देविंदर शर्मा

साल था 1996। चुनाव परिणाम घोषित हो चुके थे और अटल बिहारी वाजपेयी को निर्वाचित-प्रधानमंत्री के रूप में घोषित किया जा चुका था। एक या दो दिन बाद, नई दिलली में कुछ जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित-प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की। अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू-खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि।

जब मुझसे यह सुझाव देने के लिए कहा गया कि नीतिगत ध्यान का केंद्र किस पर होना चाहिए, तो मेरा जवाब था कि बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा उस समय कृषि क्षेत्र में काम कर रही 60 प्रतिशत आबादी के लिए रखा जाना चाहिए। मेरे कई साथी मुझसे सहमत नहीं थे, कुछ ने तो यहां तक चेतावनी दे डाली कि अगर बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा कृषि के लिए आवंटित किया गया तो आर्थिक तबाही मच जाएगी। उद्योग और बुनियादी ढांचा विकसित करने को अधिक धन देने पर जोर दिया गया और इसे उच्च आर्थिक विकास की ओर ले जाने का शर्तिया माध्यम बताया गया। मैंने फिर भी जोर देकर कहा कि यह एक नया सांचा और आर्थिक सोच बनाने का समय है और जब तक कृषि के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान नहीं किया जाता, तब तक देश सर्वांगीण विकास नहीं कर पाएगा। मुझे पता था कि मेरा सुझाव मुख्यधारा की आर्थिक सोच से मेल नहीं खाएगा। हालांकि, मेरी समझ से सत्ता विरोधी लहर से बचने की एकमात्र राह खेती और ग्रामीण विकास में पर्याप्त निवेश करना था।

बैठक का समापन जोशी ने यह कहकर किया कि वे हमारे विचारों से प्रधानमंत्री को अवगत करवाएंगे। कुछ दिनों बाद, मुझे आश्चर्य हुआ जब नई सरकार ने कृषि के लिए 60 प्रतिशत बजट प्रदान करने की अपनी मंशा की घोषणा की। कृषि में इतने संसाधन

लगाने की जरूरत को लेकर मीडिया में हंगामा मच गया, कई विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि इससे अर्थव्यवस्था पीछे की दिशा में जाएगी। लेकिन मेरी दलील थी कि उच्च विकास की दिशा में कदम आगे बढ़ाते वक्त भारत अपनी दो-तिहाई आबादी को ग्रामीण इलाकों में भुगतने के लिए छोड़ नहीं सकता। इसे संभव बनाने के लिए, और राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल के 'निष्पक्षता एवं न्याय' सिद्धांत के अनुसार, नीति बनाते वक्त मानव पूंजी निवेश, खेती और कृषि का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र सहित उचित ग्रामीण बुनियादी ढांचे की स्थापना और इस प्रक्रिया में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त राजकोषीय संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। संक्षेप में, यह वही है जो प्रधानमंत्री का 'सबका साथ, सबका विकास' वाला नारा कहता है, उसकी प्राप्ति के लिए रूपरेखा आर्थिक सोच एवं दृष्टिकोण और रुख में आमूल-चूल बदलाव लाकर फिर से तैयार की जा सकती थी। चूंकि वाजपेयी सरकार केवल 13 दिनों तक चली, इसलिए वह विचार जो परिवर्तनकारी बदलाव के लिए एक मजबूत नींव रख सकता था, वह भी गुम हो गया। मैं यह इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि सकल बजट में खेती के लिए आवंटन और भी कम हो गया है। यह देखते हुए कि कृषि पर करोड़ों लोगों की आजीविका निर्भर है, यह चिंताजनक है। 2019-20 में पहले से ही काफी कम रख गए अंश यानी 5.44 प्रतिशत के बाद, कृषि का हिस्सा 2024-25 के बजट में और गिरकर 3.15 फीसदी रह गया है। यह जानते हुए कि यह राजनीतिक और आर्थिक कारक -जिन पर बड़े कारोबारियों का काफी प्रभाव है- संसाधन आवंटन पर हावी है, गलती की भ्रंश रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। देश की 42.3 प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि में लगी हुई है, इसकी वृद्धि दर वर्तमान में 1.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है।

इससे भी बदतर यह है कि औसत कृषि आय में भारी गिरावट आई है। वास्तविक ग्रामीण मजदूरी एक दशक से अधिक समय से स्थिर है। निरंतर जारी कृषि संकट इतना गंभीर है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जैसा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं, यह इसलिए क्योंकि खेती को जानबूझकर पिछड़ा रखा गया। अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि अगर विकल्प मिले तो लगभग 60 प्रतिशत किसान खेती छोड़ना चाहते हैं। और अगर आप हैरान हो रहे हैं कि भारतीय किसानों की हालत इतनी खराब कैसे है, तो कृषि की मौत के संकेतकों में सबसे ऊपर है, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा हाल ही में किया गया एक अध्ययन।

विमान अपग्रेड के जरिये ताकत बढ़ाने की कवायद

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

भारतीय वायुसेना के पास इस समय 30 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान हैं। सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए। सीमा पर किसी भी दुश्मन को अवसर न मिले इसके लिए भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है जो फीचर्स में राफेल विमान से भी ज्यादा शक्तिशाली होंगे। इस पर भारी धनराशि खर्च होगी।

आठ अक्तूबर, 1932 से धीरे-धीरे प्रगति करती हुई भारतीय वायुसेना अपने 93वें वर्ष में प्रवेश कर चुकीं है। इस बीच ऐसे कई अवसर आए जब भारतीय वायुसेना के जांबाजों ने शत्रु के दांत खट्टे करके अपनी ताकत का अहसास करवाया। प्रत्येक युद्ध को जीतने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। चीन व पाक सीमा पर चुनौतियां जगजाहिर हैं। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 30 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान हैं। सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए। सीमा पर किसी भी दुश्मन को अवसर न मिले इसके लिए भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है जो फीचर्स में राफेल विमान से भी ज्यादा शक्तिशाली होंगे। इस पर भारी धनराशि खर्च होगी।

इसके लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के 50 से ज्यादा सिस्टम अपग्रेड कर उन्हें अत्याधुनिक बनाया जाएगा। स्वदेशी तकनीक से अपग्रेड होने के बाद ये विमान काफी खतरनाक हो जाएंगे और अगले तीन दशक तक बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। योजना के तहत पहले 84 सुखोई विमानों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। मॉडर्न राडार सिस्टम को लगाया जाएगा जिससे सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की डिटेक्शन रेंज बढ़ जाएगी। इनमें अस्त्र मिसाइलें तैनात की जायेंगी। जिससे 350 किमी दूरी तक लक्ष्य को नष्ट करना आसान हो जाएगा। वायु सेना ने मुख्य लड़ाकू विमान सुखोई विमानों के इंजन के लिए बीते माह 26000 करोड़ रुपये का समझौता हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से किया है। जिसके तहत एचएएल सुखोई-30 एमकेआई विमानों के लिए स्वदेशी तकनीक के 240 एयरो इंजन (एएल-31एफपी) तैयार करेगा। इनके निर्माण की जिम्मेदारी उड़ीसा के कोरापुर डिविजन को दी गई है। इसका पहला इंजन एक अक्टूबर को वायु सेना को सौंपा जा चुका है। एचएएल हर साल ऐसे 30 इंजनों की आपूर्ति करेगा। इस तरह 240 इंजनों की आपूर्ति आठ साल में पूरी हो जाएगी। इससे वायु सेना को सुखोई-30 विमान बेड़े की परिचालन क्षमता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यह समझौता वायु सेना के लड़ाकू विमानों के स्क्वॉड्रन में कमी आने तथा एचएएल द्वारा स्वदेशी तेजस विमानों की आपूर्ति में देरी की चिन्ताएं दूर करेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये इंजन 54 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से निर्मित होंगे। वायु सेना के विमान बेड़े को ताकतवर बनाने के मकसद से अब रूस के साथ सह उत्पादन में नई पीढ़ी के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान बनाए जाएंगे। इस पर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में हुई रूस यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। एचएएल अपने कारखाने को इनके निर्माण के लिए तैयार कर रहा है।

वायु सेना के पास इस समय 259 सुखोई विमान हैं जो सभी संचालन अवस्था में नहीं। ज्यादातर सुखोई 2000-2010 के बीच वायु सेना में शामिल किए गए। इन्हें हर 15 साल बाद अपग्रेड किया जाता है, 10 वर्ष बाद इनकी संख्या काफी कम हो जाएगी। इसीलिए बेड़े में नये अपग्रेडेड सुखोई विमान जोड़ने की तैयारी कर ली गई है। अब रूस ने अपने सुखोई-75 चेकमेट लड़ाकू विमान की खरीद का ऑफर भारत को दिया है, वह भी कम कीमत पर। रूस इस लड़ाकू विमान की तकनीक भी देने को तैयार है। रूसी रक्षा अधिकारियों का कहना है- ये अत्याधुनिक विमान राडार की पकड़ में नहीं आते। ये एआई से लैस विमान हैं। इनकी गति 1.8 मैक है और 3000 किमी तक लक्ष्य को नेस्तनाबूद करने की क्षमता है। यह विमान 7.4 पेलोड के साथ 54000 से अधिक ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। हवा से हवा तथा हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार अपने अंदर छिपाए रखता है। वायु सेना का विमान बेड़ा बढ़ाने के लिए देश में निर्मित तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद की जाएगी।

कुछ समय पहले 123 विमानों का आर्डर एचएएल को दिया गया। अब 97 तेजस और खरीदे जाएंगे। उसके बाद 200 और तेजस विमान लिए जाने की योजना है। भारत में अभी तेजस मार्क-1 बनाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में जीई इंजन एफ-414 वाले तेजस मार्क-2 लड़ाकू विमानों का निर्माण देश में शुरू हो जाएगा। उम्मीद है कि 2026 में इसकी पहली उड़ान पूरी होगी। यह बहुउद्देश्यीय सुपरसोनिक लड़ाकू विमान होगा। इनकी सबसे बड़ी ताकत इनकी स्पीड है जो अधिकतम 2385 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। कुल रेंज 2500 तथा 1500 किमी लड़ाकू रेंज होगी। यह 6500 किलोग्राम वजन के हथियार लेकर उड़ सकेगा। भारत 5.5वीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान को विकसित करने की योजना पर भी काम कर रहा है। डीआरडीओ इसे विकसित कर रहा है। यह भारत का पहला स्टील्थ फाइटर होगा जो भारी और अधिक हथियार ले जा सकेगा। इन विमानों के मिलने पर भारतीय वायु सेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

बेसन चेहरे पर लगाने से चमकेगी त्वचा

त्वचा को करता है साफ

बेसन में मौजूद प्राकृतिक क्लींजर त्वचा को गहराई से साफ करते हैं। चेहरे को साफ करने के लिए बेसन त्वचा के अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाकर त्वचा को चमकदार बनाता है। इसके लिए टमाटर और नींबू को बेसन के साथ मिलाकर बनाया गया पेस्ट नेचुरल ब्लीच होता है। इसे बनाने के लिए टमाटर का गूदा, बेसन और नींबू का जूस मिलाकर पेस्ट बना लीजिए और चेहरे पर लगाइए। बीस मिनट बाद जब यह सूख जाए तब इसे ठंडे पानी से धो लीजिए। त्वचा बिल्कुल चमकदार हो जायेगी। इसके अलावा त्वचा पर से बालों को हटाने के लिए बेसन सर्वोत्तम प्राकृतिक उपचार है।

त्वचा में रहेगी नमी

बेसन त्वचा को प्राकृतिक नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहती है। खासतौर पर ये उन लोगों के लिए काफी फायदेमंद रहता है, जिनकी त्वचा ड्राई रहती है। बेसन ऑयली स्किन से ऑयल अवशोषित करने के लिए जाना जाता है। इससे स्किन रूखी नहीं होती है। रोज वाटर और बेसन का पेस्ट बनाकर त्वचा पर लगाने से त्वचा की सारी गंदगी साफ हो जाती है। साथ ही उसका मुलायमपना बना रहता है।

खत्म होगी टैनिंग

अक्सर देखा गया है कि गर्मी और चिलचिलाती धूप की वजह से स्किन खराब होने लगती है और टैनिंग की समस्या हो जाती है। ऐसे में लोग टैनिंग को दूर करने के लिए कई तरह की स्किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, फिर भी इस समस्या से निजात नहीं मिलता है। नियमित रूप से बेसन के इस्तेमाल से त्वचा की टैनिंग कम होती है। टैनिंग हटाने के लिए इसका इस्तेमाल आप कई तरह से कर सकते हैं। बहुत से लोग दही और दूध में मिलाकर बेसन का इस्तेमाल टैनिंग हटाने के लिए करते हैं।

डेड स्किन सेल्स को हटाता है

बेसन एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, जो त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। इससे भी त्वचा चमक उठती है।

दाग-धब्बे में आती है कमी

अगर आप नियमित रूप से बेसन का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी त्वचा के दाग-धब्बों में कमी आती है। बेसन में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंहासों के बैक्टीरिया को मारते हैं और त्वचा पर दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। यह पिंपल्स को सुखाने तथा नेचुरली ग्लोइंग स्किन बनाने के लिए जाना जाता है। इसके लिए 2 चम्मच बेसन, 2 चम्मच सेंडलवुड पाउडर, 1 चम्मच दूध और एक चुटकी हल्दी पाउडर को मिलाकर पेस्ट बना लीजिए। इसे चेहरे पर लगाकर कुछ देर बाद गर्म पानी से धो लीजिए। इसके लिए अलावा बेसन-हल्दी का फेस पैक भी डल स्किन और चेहरे से दाग-धब्बे दूर करने में मदद करता है। हल्दी मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और बेसन चस्किन को चमकदार बनाकर टैन को दूर करता है। वहीं दही स्किन की नमी को लॉक करता है।

वैसे तो आज के समय में त्वचा से संबंधित हर समस्या के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट बाजार में मिल जाते हैं, लेकिन आज भी बहुत से लोग दादी-नानी के बताए नुस्खों पर ही भरोसा करते हैं। बहुत से लोग आज भी केमिकल वाले प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बचते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं, तो आपने कभी न कभी चेहरे पर बेसन का इस्तेमाल अवश्य किया होगा। बेसन हर भारतीय घर की रसोई में आपको आसानी से मिल जाएगा। इसे कई तरह से चेहरे पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आप बड़ी ही आसानी से स्क्रब से लेकर फेस पैक तक बना सकते हैं। अगर सही तरह से बेसन का इस्तेमाल किया जाए तो त्वचा बिना किसी केमिकल वाले प्रोडक्ट के दमक सकती है। त्वचा चमकाने के साथ-साथ बेसन कई तरह से त्वचा के लिए लाभदायक है।

हंसना मना है

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल-अपनी होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार-यहीं खाओगे या पैक कर दूं?

लड़का- मां दिवाली आने वाली है, इस बार पटाखे इस दुकान से लुंगा! मां-हरामजादे, ये पटाखों की दुकान नहीं लड़कियों का हॉस्टल है, लड़का- मुझे क्या पता, एक दिन पापा कह रहे थे कि यहां एक से एक धांसु पटाखे हैं?

एक कंजूस के लड़के को बनिया की लड़की से प्रेम हो गया, लड़की- जब पिताजी सो जाएगें, तो मैं गली में सिक्का फेंकुंगी, आवाज सुनकर तुरन्त अन्दर आ जाना, लेकिन लड़का सिक्का फेंकनें के एक घन्टे बाद आया, लड़की- इतनी देर क्यों लगा दी, लड़का-वो मैं सिक्का ढूंढ रहा था, लड़की- अरे पागल वो तो धागा बांधकर फेंका था, वापस खींच लिया।

चचा वोट डालकर बाहर आए और पोलिंग एजेंट से पूछा-तेरी चाची वोट डाल गई क्या? एजेंट ने लिस्ट चेक कर के कहा- जी चचा वह वोट डाल गई! चचा भरे गले से बोले- जल्दी आता तो शायद मिल जाती! पोलिंग एजेंट- क्यों चाचा आप साथ नही रहते? चाचा-बेटा उसे मरे हुए 15 साल हो गए, हर बार वोट डालने आती है पर मिलती नहीं!

कहानी | जो कृष्ण में है, वही तुममें भी

एक बार शेरनी छलांग लगा रही थी। और छलांग के बीच में ही उसको बच्चा हो गया। वह तो छलांग लगाकर चली गई। एक टीले से दूसरे टीले पर! लेकिन बच्चा निचे गिर गया। निचे भेड़ो कि एक कतार गुजरती थी। वह बच्चा भेड़ों में मिल गया। भेड़ों ने उसे पाला -पोसा, बड़ा हुआ। सिंह था तो सिंह ही हुआ। लेकिन एक गलत फहमी में पड़ गया कि खुद को भेड़ मान कर जीने लगा। एक दिन एक शेर ने भेड़ों के बीच में बच्चे को भागते देखा, शेर को देख सारी भेड़े भाग गई। वह अकेला रह गया। शेर ने इस बच्चे को पकड़ लिया। यह रोने लगा, मिमियाया, गिड़गिड़ाने लगा। कहने लगा छोड़ दो मुझे। मुझे जाने दो। मेरे सब संगी साथी जा रहे है। दूसरे शेर ने कहा , नालायक, सुन! ये तेरे संगी साथी नहीं है। तेरा दिमाग फिर गया है। तू पागल हो गया है। परन्तु वह नहीं माना। उस बड़े शेर ने उसे पकड़ कर घसीटा, जबरदस्ती उसे ले गया नदी के किनारे। दोनों ने नदी में झांका। और उस बूढ़े सिंह ने कहा कि देख दर्पण में। देख नदी में। अपना चेहरा देख, मेरा चेहरा देख। पहचान। उसने देखा, हम दोनों तो एक जैसे हैं। तो मैं भेड़ नहीं हूं? एक क्षण में गर्जना हो गई। एक क्षण में ऐसी गर्जना उठी उसके भीतर से, जीवन भर कि दबी हुयी सिंह कि गर्जना, सिंहनाद! पहाड़ कंप गए। बूढ़ा सिंह भी कंप गया। उसने कहा, अरे! अरे इतने जोर से दहाड़ता है? उसने कहा जन्म से दहाड़ा ही नहीं। बड़ी कृपा तुम्हारी जो मुझे जगा दिया। और इसी दहाड़ के साथ उसका जीवन रूपांतरित हो गया।

शिक्षा- अगर तुम भी यह देख लो कि जो बुद्ध में है, जो कृष्ण में है वही तुममें भी है, फिर गर्जना निकल जाएगी, मैं ही ब्रह्म हूं। गूंज उठेंगे पहाड़ और भीतर आनंद ही आनंद होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है।

वृषभ पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु व्यावसायिक यात्रा में आज सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन आज कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

पिता को पहली बार नेशनल अवॉर्ड मिलने पर भावुक हुई यामी गौतम

यामी गौतम ने टीवी सीरियल 'चांद के पार चलो' और 'ये प्यार न होगा कम' से अभिनय की शुरुआत की है। उन्होंने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 'विक्की डोनर' फिल्म से की है। अभिनेत्री ने अपने दम पर आज इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है। अब हाल ही में, यामी गौतम अपने पिता और फिल्म निर्माता मुकेश गौतम को पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर अभिनेत्री ने खुशी जाहिर की है और बताया है कि पूरा परिवार उनके पिता पर गर्व कर रहा है। यामी गौतम के पिता को उनकी फिल्म बागी दी धी के लिए 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फिल्म का पुरस्कार मिला। मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। यामी ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के लिए एक भावुक पोस्ट शेयर की। अभिनेत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, लेकिन उन्होंने अपने पिता को पुरस्कार लेते हुए देखने के इस खास पल को कैद कर लिया और अपने इंस्टाग्राम पर क्लिप पोस्ट कर दी। टेलीविजन पर समारोह देख रही यामी ने लाइव टेलीकास्ट की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा कि अपने पिता को मंच पर देखकर वह बहुत भावुक हो गईं, साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पिता पर बहुत गर्व है। अभिनेत्री ने लिखा, यह बहुत भावुक पल था, क्योंकि मेरे पिता मुकेश गौतम को उनकी फिल्म-बागी दी धी के लिए निर्देशक के रूप में पहला राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। यामी ने कहा, भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है। मेरे पिता का यहां तक का सफर मेरे द्वारा देखे गए सबसे कठिन सफरों में से एक रहा है, फिर भी यह उन्हें काम के प्रति उनकी मेहनत और नैतिकता में अपार ईमानदारी से नहीं रोक सका। आपके परिवार को आप पर गर्व है, पापा।

सिंघम अगेन के ट्रेलर ने रचा इतिहास, टूटे सभी रिकॉर्ड

बॉलीवुड | मसाला

सिंघम अगेन ने रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है। बीते दिन को इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म का ट्रेलर अब सभी प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे के भीतर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया है।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इस नई फिल्म के ट्रेलर ने इतिहास रचते हुए एक दिन में रिकॉर्डतोड़ व्यूज बटोर डाले हैं। ट्रेलर को सिर्फ 24 घंटे में ही 13.8 करोड़ बार देखा जा चुका है, जो कि अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। इस फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

सिंघम अगेन के ट्रेलर में दिखाए गए दमदार एक्शन और सम्मोहक कहानी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर यह ट्रेलर छा चुका है। ट्रेलर लॉन्च होने के कुछ ही घंटों में पहले नंबर पर ट्रेंड होने लगा। इस फिल्म में कई सितारे नजर आने वाले हैं। अजय देवगन के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर में इन सभी सितारों की झलक देखने को मिला है। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेटटी ने किया है।

इससे पहले उनके कॉप यूनिवर्स की सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट रही हैं। सिंघम अगेन की बात करें तो यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। फिल्म का मुकाबला कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया-3 से होगा। उनकी इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है।

सूर्या 44 की शूटिंग पूरी, सूर्या ने टीम के लिए लिखा भावुक नोट

साउथ सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कंगुवा की रिलीज के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सूर्या 44 के निर्माण में भी व्यस्त हैं। सूर्या ने अपनी 44वें फिल्म के लिए फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज के साथ हाथ मिलाया है। इस प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से सूर्या 44 नाम दिया गया है, जिसे एक अलग दौर में सेट की गई एक्शन-ड्रामा फिल्म बताया जा रहा है। कुछ समय पहले निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता का नया पोस्टर भी जारी किया था। वहीं अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है।

फिल्म को लेकर नई जानकारी यह है कि इस शीर्षकहीन फिल्म की शूटिंग आखिरकार चेन्नई में पूरी हो गई है। सूर्या ने सोशल मीडिया पर शूटिंग

खत्म होने की घोषणा करते हुए निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज और उनकी टीम के लिए एक भावपूर्ण नोट पोस्ट किया और कुछ तस्वीरें साझा कीं।

सूर्या हाल ने ही में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा किया और अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी घोषणा की।

सूर्या ने अपने पोस्ट में लिखा, कई स्थानों पर एक शानदार, खुशहाल शूटिंग पूरी हुई... सुपर टैलेंटेड कास्ट और क्रू के साथ ढेर सारी यादें, मैंने जीवन भर के लिए एक भाई बनाया कार्तिक सुब्बाराज। सूर्या 44 को एक यादगार अनुभव बनाने के लिए आपका और हमारी टीम का धन्यवाद। इस खास नोट के साथ ही सूर्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सूर्या के निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज, उनके सह-कलाकार जोजू जॉर्ज और टीम के बाकी सदस्यों के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें भी शेयर कीं।

निर्देशक कार्तिक ने अपने आधिकारिक हैंडल पर अभिनेता की पोस्ट को फिर से शेयर करते हुए लिखा, यह सब आपके समर्पण, जुनून और सिनेमा की कला के प्रति प्रतिबद्धता के कारण संभव हुआ, एक हमेशा शानदार कलाकार सूर्या सर। अब जीवन भर के लिए मेरे भाई, मीठे शब्दों के लिए धन्यवाद... बहुत अभिभूत। टीम सूर्या 44 की ओर से ढेर सारा प्यार।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस अनाम फिल्म में सूर्या एक गैंगस्टर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। पूजा हेगड़े तमिल फिल्म उद्योग में वापसी कर रही हैं। सूर्या 44 में जयराम, करुणाकरण और जोजू जॉर्ज अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। संतोष नारायणन गाने और मूल स्कोर की रचना कर रहे हैं।

अजब-गजब | हैरान कर देने वाली है वजह

इस देश में 95 साल से पैदा नहीं हुआ एक भी बच्चा

धरती के हर कोने की अपनी खासियत है। कहीं कुछ अलग सा होता है तो कहीं कुछ। आपको कई ऐसे फैक्टस भी मिल जाएंगे, जिन्हें सुनकर बेहद हैरानी होगी। धरती पर कई ऐसी जगहें हैं, जो सामान्य जगहों से अलग हैं। कुछ लोग इन्हें शापित मान लेते हैं तो कहीं एक पुराना रहस्य छिपा होता है। हालांकि आज हम आपको जिस जगह के बारे में बताएंगे, वो इन सबसे अलग है।

दुनिया का एक देश ऐसा भी है, जिसमें पिछले 95 साल में किसी भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ। चलिए आपको बताते हैं कि ऐसा यहां क्यों हुआ? इतना ही नहीं इस देश में किसी को स्थाई नागरिकता नहीं मिलती, वहां रहने वाले सभी लोग यहां के अस्थाई नागरिक ही हैं। शायद आपने इस देश का नाम सुना होगा लेकिन ये तथ्य कम ही लोगों को पता होगा कि यहां बच्चों का जन्म नहीं होता। दुनिया में अलग-अलग तरह की रहस्यमयी चीजें मौजूद हैं। एक ऐसा देश है, जो अपने आप में काफी अजीब तथ्य के लिए जाना जाता है। रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धार्मिक नेताओं का ये घर है और यहां पोप का शासन है। बावजूद इसके इस देश में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। इस देश का निर्माण 11 फरवरी 1929 को हुआ था। हैरानी की बात है कि 95

साल बाद भी यहां कभी एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है। इसके पीछे जो वजह है, वो और भी ज्यादा हैरान कर देने वाली है।

इस देश का नाम वेटिकन सिटी है। इसे दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं। वेटिकन सिटी में कोई अस्पताल नहीं है। अस्पताल न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की निकटता के कारण लिया गया है। यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता क्योंकि यहां कोई डिलीवरी रूम नहीं है। यहां प्राकृतिक प्रसव नहीं होता या होने दिया जाता है। जब यहां कोई महिला गर्भवती हो जाती है और डिलीवरी की डेट नजदीक आ जाती है तो यहां के नियमों के मुताबिक उसे बच्चे को जन्म देने तक यहां से चले जाना पड़ता है। यह नियम बहुत सख्त है।

वर्दी के कॉलर पर लगी होती पिन, दर्द झेलकर नौकरी करते हैं इस देश के सैनिक!

सैनिकों के अनुशासन, बहादुरी और निडरता को देखकर लोग हैरान होते हैं, पर ये नहीं सोचते कि आखिर उन्हें इतने हुनर को सीखने और अपने अंदर ढालने में कितना समय लगता होगा और कितनी मुश्किल से वो इस काबिल बनते होंगे कि सिपाही बनकर देश की सेवा कर सकें? हर देश के सैनिकों को ट्रेन करने की अपनी अलग टेक्नीक होती है। चीनी सैनिकों के लिए एक बात काफी प्रचलित है। वो ये कि उनकी वर्दी के कॉलर में पिन लगी होती है। वो उन्हें चुभती भी रहती है, मगर दर्द झेलते हुए उन्हें नौकरी करनी पड़ती है। आज हम आपको इसका कारण बताने जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट अक्सर वायरल होते रहते हैं, जिसमें ये दावा किया जाता है कि चीनी सैनिकों की वर्दी के कॉलर पर पिन लगी होती है। स्नूप्स नाम की वेबसाइट ने इस दावे का फैक्ट चेक भी साल 2019 में पोस्ट किया था। उनके अनुसार वायरल फोटोज और दावा दोनों ही सही है कि चीनी सैनिकों की वर्दी के कॉलर पर पिन लगी होती है। जैसे ही गर्दन उस पिन से छूती है, उन्हें वो चुभ जाती है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर वो ऐसा क्यों करते हैं? वहां के सैनिक इतने दर्द में नौकरी क्यों करते हैं? एक रिपोर्ट के अनुसार वहां के सैनिकों को ऐसी ट्रेनिंग खास मकसद से दी जाती है।

दरअसल, ये ट्रेनिंग केवल उन्हीं सैनिकों को दी जाती है, जिनके बॉडी की मुद्रा सीधी नहीं होती है। यानी वो अपनी गर्दन को सीधा नहीं रखते। ये ट्रेनिंग केवल उन्हीं सिपाहियों को दी जाती है। गर्दन जरा भी झुकाने या टेढ़ा करने की गुंजाइश नहीं होती, क्योंकि पिन उन्हें चुभ जाती है, जिससे उन्हें दर्द महसूस होने लगता है। इस तरह वो हर वक्त चौकन्ने और खुद को अलर्ट रख सकते हैं। गर्दन को सीधा रखने के लिए पुलिसकर्मी कई अन्य तरह की टेक्नीक भी अपनाते हैं। इसमें एक खास टेक्नीक होती है कि अपनी टोपी को उल्टा सिर पर रखना, जिससे वो जमीन पर न गिरे। इसे भी बैलेंसिंग की प्रैक्टिस की जाती है। चीन के लोगों को बेहद अनुशासित माना जाता है। इस वजह से छोटे बच्चों को खेल की प्रैक्टिस के दौरान कड़ा अनुशासन और ट्रेनिंग दी जाती है। ऐसी रोचक स्टोरीज पढ़ने के लिए जुड़े रहें।

सीएम आवास सील होने पर गरमाई दिल्ली की सियासत

» आप और भाजपा आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीएम दफ्तर का दावा, नियमत: आवास हुआ शिफ्ट

नई दिल्ली। सिविल लाइंस स्थित 6, फ्लैग स्टाफ रोड पर सीएम आवास के सील होने के बाद दिल्ली की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय की तरफ से इसे जबरन की गई कार्रवाई करार दिया गया है। साथ में आशंका जताई है कि इसे भाजपा के किसी बड़े नेता को दिया जा सकता है। सीएमओ बोले कि एलजी के आदेश पर मुख्यमंत्री आतिशी का सामान उनके आधिकारिक आवास से जबरन बाहर निकाल दिया गया। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री को सीएम कैंप कार्यालय और आवास से जबरन बेदखल कर दिया गया।

पीडब्ल्यूडी ने 6 अक्तूबर को सीएम आवास की चाबी आतिशी को सौंप दी थी। इस प्रक्रिया में विभाग ने सभी नियमों और प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। पत्ति प्रमाणपत्र भी जारी किया है।

सीएम आवास खाली करने के दौरान पीडब्ल्यूडी ने आधिकारिक तौर पर पूर्व सीएम केजरीवाल के आवास खाली करने की रिपोर्ट भी दी है। बाद में पीडब्ल्यूडी ने सीएम आवास की चाबियां आतिशी को सौंप दीं।

भाजपा ने एलजी से मिलीभगत कर सामान सीएम आवास से जबरन बाहर निकलवा दिया। भाजपा दिल्ली सरकार के हर अधिकार को किसी न किसी तरह से छीनने की कोशिश कर रही है। पीडब्ल्यूडी के एई के चार अक्टूबर के पत्र के जवाब में सीएमओ सतेंद्र मोहन ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी ने पूर्व मुख्यमंत्री को जो आवास की चाबियां दी गई थीं, उसे अस्थायी तौर पर वापस लिया गया है। केजरीवाल ने 4 अक्तूबर को आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास खाली कर दिया था और चाबी मुख्यमंत्री कैंप ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर को सौंप दी थी। पांच अक्तूबर को मुख्यमंत्री कार्यालय ने पीडब्ल्यूडी और जीएडी को पत्र भेजकर आगे की आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया था।

सीएम आवास सील करना उचित : कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा कि आतिशी का बिना आवंटन बंगले में प्रवेश करना और आप नेताओं के बयान शराब घोटाले, अवैध निर्माण, पेड़ कटाई, स्वाति मालीवाल से मारपीट जैसे संवेदनशील मामलों के सबूत छिपे होने की पुष्टि करते हैं। सतर्कता विभाग के अधिकारियों से जवाब मांगने के लिए नोटिस जारी करना इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करता है। अगर सरकारी भवन आतिशी को ही आवंटित किया जाना था, तो फिर आप नेता सरकारी प्रक्रिया का इंतजार क्यों नहीं कर सकते थे।

'शीश महल' का वीडियो बनाकर रिपोर्ट जनता के सामने रखें : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास को सील करने की कार्रवाई का स्वागत किया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि लोकनिर्माण विभाग को इस विवादित 'शीश महल' को पहले ही सील कर देना चाहिए था, क्योंकि सीलिंग जन आकांक्षाओं के अनुरूप है और विभाग को इस भवन का वीडियो ग्राफिक सर्वेक्षण करवाकर रिपोर्ट दिल्ली की जनता के समक्ष रखनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराना प्राथमिकता : उमर अब्दुल्ला

» पूर्व मुख्यमंत्री बोले- अनुच्छेद-370 पर लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते
» विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने पर अनुच्छेद-370 और 35ए की बहाली का वादा करने वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के सुर नरम पड़ गए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 पर लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। इस एजेंडे को लेकर हम केंद्र सरकार के साथ आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि जिन्होंने 370 छीना है, उनसे वापसी की उम्मीद नहीं रखी जा सकती। फिलहाल इस मसले को किनारे रख हमारी प्राथमिकता केंद्र से बेहतर समन्वय बनाकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराना होगा।

उमर ने कहा कि हम अनुच्छेद-370 को हमेशा जिंदा रखेंगे। यह हमारे लिए कल भी मुद्दा था, आज भी है और आगे भी रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश में लोकतंत्र है। सरकार आती-जाती रहती है। हम उम्मीद करेंगे कि आज नहीं तो कल, मुल्क में हुकूमत बदलेगी, निजाम बदलेगा। जिसके साथ हम चर्चा कर इस अनुच्छेद को बहाल करेंगे। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक बृहस्पतिवार को श्रीनगर में पार्टी प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला के आवास पर होगी। इसमें उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुने जाने पर सहमति बनना लगभग तय है। फिर अगले सप्ताह तक उपराज्यपाल के समक्ष सरकार बनने का दावा पेश किया जाएगा।

सीबीएसई पूर्व जोन स्केटिंग प्रतियोगिता का हुआ समापन

» युवा चैंपियनों ने बिखेरा जलवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीबीएसई पूर्व जोन स्केटिंग प्रतियोगिता 2024 का समापन एक भव्य समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभाशाली युवा स्केटर्स को सम्मानित किया गया। आयोजन में 100 से अधिक टीमों और 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने 120 इवेंट्स में भाग लिया। विजेताओं में शौर्य दहारिया सुनबीम स्कूल, अन्नपूर्णा लहरतारा ने अंडर 14 बॉयज 500 मीटर क्वाड्स श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुमितन सिंह दिल्ली पब्लिक स्कूल, वाराणसी, यूपी ने अंडर 14 बॉयज 500 मीटर क्वाड इवेंट में विजय हासिल की।

सार्थक पांडा नर्चर इंटरनेशनल स्कूल, कचहर कल्याणपुर, कानपुर ने अंडर 17 बॉयज 500 मीटर क्वाड श्रेणी में जीत हासिल की, जबकि रुपांशी सिंह माउंट लिटरा जी स्कूल, इटावा, यूपी ने अंडर 19 गर्ल्स श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि मुनव्वर अंसार, जूडो एसोसिएशन के सचिव ने सम्मानित किया। नेहा सिंह, लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज की निदेशक और डॉ. रुपाली पटेल, लखनऊ पब्लिक स्कूल, वृंदावन योजना शाखा की प्रिंसिपल और आयोजन समिति की सचिव ने विजेताओं को उनकी उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी।

गोलीकांड के मृतक के परिवार से मिले विधायक

» अंडा व्यवसायी की हुई थी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। मंगलवार की शाम दोस्तपुर थानाक्षेत्र के गोसैसिंहपुर चौराहे पर एक अंडा व्यवसाई संतराम उर्फ़ लल्लू अग्रहरी पुत्र त्रिलोकीनाथ अग्रहरी (50वर्ष) को मंगलवार शाम लगभग साढ़े आठ बजे बाइक सवार हमलावारों ने गोली मार दी थी। इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। बुधवार को दिन भर बाजार की दुकानों के शटर नहीं खुले, बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। गोसैसिंहपुर चौराहे पर कुछ था तो सिर्फ पुलिस और पीएसी के जवानों का कड़ा पहरा। इक्का-दुक्का चाय पानी की दुकाने खुली हुई थी और वहां पर सिर्फ इस निर्मम दुस्साहसिक हत्या की चर्चा थी।

बुधवार देर शाम मृतक का शव पैतृक गांव पहुंचा। शव के पहुंचते ही चीख पुकार मच गयी इसी बीच सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय राजबाबू पीड़ित परिवार के घर पहुंचे, विधायक परिवार के साथ घंटों बने रहे। पीड़ित के परिजनों ने विधायक के समक्ष कुछ मांगे रखी। पीड़ित के बेटे सचिन अग्रहरि की मांगे परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद हत्यारों पर गैंगेस्टर की कार्यवाही हो उनकी संपत्ति पे बुलडोजर चले आवासीय भूमि का पट्टा दिया जाय। आरोपी कथित भाजपा नेता अर्जुन पटेल की संपत्ति की जांच करवाई जाय।

आरोपी कथित भाजपा नेता अर्जुन पटेल की संपत्ति की जांच करवाई जाए

विधायक ने डीएम सुल्तानपुर को फोन कर मांगों से कराया अवगत

वहीं विधायक ने पीड़ित परिवार को पचास हज़ार रुपये की आर्थिक मदद की। परिजनों ने हत्या में भाजपा के कथित नेता का नाम आने पर लोगों ने पटेल को भाजपा से निष्कापित करने का विधायक से आग्रह किया, जिस पर विधायक ने कहा कि उन्हें पार्टी से बाहर निकाले जाने का आश्वाशन दिया और कहा अपराधी कितने भी बड़े हो कितने ही पहुंच वाले हो उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी। सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि जल्द ही हम पीड़ित परिवार के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर घटना के बारे में अवगत कराएंगे और पीड़ित परिवार को ज्यादा से ज्यादा मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलवाने का कार्य करेंगे।

भारत ने बांग्लादेश से जीती टी-20 सीरीज

» दूसरे मैच में टीम ने 86 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 में बांग्लादेश को 86 रन से हराया। यह टी20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 221 रन बनाए। नीतिश रेड्डी और रिंकू सिंह ने अर्धशतक लगाया। जवाब में बांग्लादेश टीम निर्धारित ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 135 रन ही बना सकी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने 41 के स्कोर पर 3 विकेट खो दिए थे। संजू सैमसन ने 7 गेंदों पर 10 रन, अभिषेक शर्मा ने 11 गेंदों पर 15 रन और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 10 गेंदों पर 8 रन बनाए। इसके बाद नीतिश रेड्डी और रिंकू सिंह ने चौथे विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 14वें ओवर में नीतिश रेड्डी कैच आउट हुए। उन्होंने 34 गेंदों पर 74 रन की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौकों के साथ ही 7 छक्के भी लगाए। 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर रिंकू सिंह कैच आउट हुए। रिंकू ने 29 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 53 रन की धुंआधार पारी खेली। उनके अलावा रियान पराग ने 15 रन, हार्दिक पांड्या ने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। वरुण चक्रवर्ती का खाता नहीं खुला। अर्शदीप सिंह ने 6 रन बनाये और मयंक यादव 1 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय महिलाओं ने श्रीलंका को 82 रनों से रौंदा

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने श्रीलंका को 82 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी ने भारत को बड़ी जीत दर्ज करने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत से भारत के नेट रन रेट में भी सुधार हुआ है। भारत ने टॉस जीतक पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अभी तक बल्ले से फेल रहीं स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 98 रन जोड़े। इस दौरान मंधाना ने 38 गेंद पर 50 रन और शेफाली वर्मा ने 40 गेंद पर 43 रन बनाए। मंधाना रन आउट हुईं। भारत के दो विकेट जल्दी गिरने के बाद जेमिमा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिम्मेदारी उठाई। जेमिमा के आउट होने के बाद भी कौर की तूफानी बल्लबाजी जारी रही और 27 गेंद में नाबाद 52 रन ठोके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। और कोई बल्लेबाज मैदान पर नहीं रूक सका जिसके चलते पूरी टीम 90 रन पर ढेर हो गई।

रतन टाटा के अंतिम दर्शन को उमड़ी भीड़, पूरे देश ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष बोले- भारत ने खो दिया अनमोल रतन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। रतन टाटा के निधन पर देशभर में शोक की लहर है। उन्होंने 86 साल की आयु में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। टाटा के निधन पर टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने समूह की तरफ से संदेश जारी किया। चंद्रशेखरन ने पद्मविभूषण रतन टाटा योगदान को अतुल्य बताया। दिग्गज उद्योगपति रतन एन टाटा का पार्थिव शरीर एनसीपीए लाया गया, जहां राजकीय अंतिम संस्कार से पहले लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए हैं। पार्थिव शरीर को आम जनता के दर्शनों के लिए रखा गया ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि टाटा का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। रतन टाटा के निधन पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मुझे भारत के सच्चे रत्न को जानने का सौभाग्य मिला है, मैंने उनके साथ काम किया है, मैंने उन्हें करीब से देखा है और मैं आपको बता सकता हूं कि यह देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। यह पूरे समूह के लिए एक असहनीय और अविश्वसनीय क्षति है और सबसे बढ़कर रतन टाटा दिग्गज व्यवसायी के साथ ही एक बहुत ही अच्छे इंसान थे। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी रतन टाटा के अंतिम दर्शनों के लिए एनसीपीए ग्राउंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रतन टाटा एक दूरदर्शी उद्योगपति थे और उनका कारोबारी प्रशासन में नैतिकता पर बड़ा जोर था। मुझे लगता है कि जब भी भारत का आर्थिक इतिहास लिखा जाएगा तो उसमें रतन टाटा की उपलब्धियों का जरूर जिक्र किया जाएगा। वह भारत के सच्चे सपूत और एक अद्भुत व्यक्ति थे। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

कुमार मंगलम बिरला समेत कई दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे

आदित्य बिरला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला भी दिग्गज उद्योगपति समेत बड़े उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले रतन टाटा के अंतिम दर्शनों के लिए एनसीपीए ग्राउंड पहुंचे। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल रतन टाटा के अंतिम दर्शनों के लिए एनसीपीए लॉन पहुंचे।

उन्होंने सिखाया कैसे उसूलों के साथ कारोबार किया जाता है : अखिलेश

जिन्होंने सिखाया कैसे उसूलों के साथ कारोबार किया जाता है, अपने लाभ को कल्याण के लिए लगाया जाता है, ऐसे महान रतन टाटा जी का जाना इतिहास के एक पन्ने का पलट जाना है। भावभीनी श्रद्धांजलि! 9 साल पहले रतन टाटा एक कार्यक्रम के सिलसिले में उत्तर प्रदेश की

राजधानी लखनऊ आए थे। तब के समय के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके सामने ही टाटा कंपनी से जुड़ा एक किस्सा मंच से ही साझा किया था। दरअसल साल था 2015 और मौका था माऊंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली विश्व की एकमात्र निशक्त पर्वतारोही पदमश्री अरुणिमा सिन्हा की विकलांग खेल अकादमी और प्रोस्थेटिक लिम्ब रिसर्च सेंटर का शिलान्यास का। तब मंच पर दिग्गज रतन टाटा के साथ अखिलेश यादव भी मौजूद थे। अखिलेश ने मंच से ही पहले तो रतन टाटा की तारीफ करते हुए कहा कि देश और दुनिया के जो भी उद्योगपित भारत को समझना चाहते हैं वे रतन टाटा से मिलते हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि मैंने और मुलायम सिंह यादव जी ने टाटा को प्रदेश में लाने की कई बार कोशिश की। मैं अमेरिका दौरे में एक उनके होटल में भी था और उनसे मिला भी। वह वादा तो करते थे, लेकिन इसके पहले तक यह संभव नहीं हो पाया था। रतन टाटा ने भी उस दौरान अखिलेश यादव और प्रदेश सरकार की तारीफ भी की थी। उन्होंने कहा था कि वे यूपी के विकास से प्रभावित हुए हैं। तब उत्तर प्रदेश विकास की तारीफ करते हुए उसे फैन्टास्टिक कहा था।

महाराष्ट्र सरकार ने भारत रत्न देने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा

महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में गुरुवार को महान उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही कैबिनेट में रतन टाटा को भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने का भी प्रस्ताव पेश कर केंद्र सरकार से सिफारिश की है।

आम लोग भी हुए भावुक

रतन टाटा का जाना करोड़ों लोगों को दुखी कर गया है और जो लोग उनसे मिले या उनसे जुड़े रहे, वे भावुक हैं। ऐसे ही लोगों में शुमार सुहेल सेठ रतन टाटा को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि रतन टाटा को उनकी विनम्रता, परोपकार और दयालुता के लिए याद रखा जाएगा। वह करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा थे, जिन्होंने साहस के साथ जिंदगी जी और देश के लिए उनका प्यार बहुत ज्यादा था। मुझे नहीं लगता कि देश में कोई और रतन टाटा होगा। वह एक अलग तरह के इंसान थे। वह भारत पर एक छाप छोड़कर गए हैं, उनका हर भारतीय के जीवन पर प्रभाव है।

अब चिनहट इलाके के गोदाम में लगी आग, मची अफरातफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी में बृहस्पतिवार सुबह तीन मंजिला इमारत के पहले तल पर आग लग गई। लपटों ने कुछ ही पल में तीनों तलों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय तीसरे तल पर बने जिम में मौजूद लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई।

दमकल ने आठ गाड़ियों से पांच घंटे में आग पर काबू पा लिया। लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर तीन मंजिला इमारत के पहले तल पर वंश अग्रवाल की बॉश्च सर्विस नाम से टायर की दुकान है। दूसरी पर टायर का गोदाम , जबकि तीसरी

पर विद्याभूषण सिंह का जिम है। बृहस्पतिवार सुबह करीब छह बजे जिम में लोग व्यायाम कर रहे थे तभी उन्हें नीचे की मंजिल से धुआं उठते दिखा। लोग जब नीचे पहुंचे तो देखा कि दुकान से आग की लपटें निकल रही थीं। सभी चीखते-चिल्लाते बाहर भाग गए। लोगों ने घटना की जानकारी दमकल को दी। अगल-बगल के लोग आग बुझाने में जुट गए। मगर लपटें बेकाबू होती चली गईं।

भाजपा विधायक की गाड़ी से कोर्ट पहुंचा साकार हरि

» कुछ महीने पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ में हुई थी 121 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सत्संग में 121 श्रद्धालुओं की मौत मामले में बाबा नारायण साकार हरि बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सचिवालय में न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए। इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। अपने भक्तों के बीच भोले बाबा के नाम से प्रसिद्ध नारायण हरि भाजपा का झंडा लगी सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी से न्यायिक आयोग पहुंचे।

गाड़ी विधायक बाबूराम पासवान की बताई जा रही है जो कि दारुलशफा विधायक निवास के 17 ए पर पंजीकृत है। बीती जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। उनका काफिला निकालने के लिए सेवादरों ने भीड़ को रोक दिया था, इस दौरान उनकी चरण रज लेने की होड़ में लोग गिरते गए। इस मामले में पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

मार्गप्रकाश वालाकदर कार्यालय बना मौत का महल!

पूरी बिल्डिंग जर्जर, नगर निगम बेपरवाह, डर के साये में काम करते हैं कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मार्गप्रकाश वालाकदर कार्यालय की स्थिति ही खराब हो गई है। यहाँ तक कि कर्मचारियों का कहना है कि उनका कार्यालय में बैठना मौत को गले लगाने जैसा है । इस कार्यालय की हालत इतनी खराब है कि यह पुरानी भूतिया हवेली से कम नहीं लगता।

पूरी बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है, जिससे बारिश के समय कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इससे कर्मचारियों में डर का माहौल बना रहता है और वे अपने ही कार्यालय में नहीं बैठ पाते हैं। कार्यालय में बैठने के लिए कुर्सियां तक नही हैं जो की टूटी कुर्सियों से काम चलाया जा रहा है।

कर्मचारियों ने डर से कराया जीवन बीमा

यहाँ तक कि कर्मचारियों ने अपना जीवन बीमा भी करा लिया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि कब यह कार्यालय गिर जाएगा । इसके अलावा, कार्यालय में एक पुराना बरगद का पेड़ भी है, जिसकी टहनियाँ आए दिन गिर जाती हैं। हाल ही में एक बड़ी टहनी गिर गई, जिससे बाहर बैठे कर्मचारी बच गए। इससे बड़ा हादसा भी हो सकता था।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी किया था इसका निरीक्षण

इस समस्या की जानकारी अपर नगर आयुक्त डॉक्टर अरविंद कुमार राव को दी गई, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पेड़ की झटाई कराई । लेकिन अभी भी कार्यालय में कई समस्याएं हैं, जैसे कि शौचालय की व्यवस्था नहीं है और कुछ कमरों में दरवाजे तक नहीं लगे हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी इसका निरीक्षण किया था, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है । यह सरकारी कार्यालय महापौर के कार्यालय से बहुत ही निकट है, इसलिए इसकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द होना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।